www.railsamacharbureauald.com

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

"यात्री जब जागरूक बनेंगे, तब ही स्टेशन हरे-भरे दिखेंगे।"

"हरित भारत की ओर बढ़े कदम, जब रेल यात्री बनाएं स्वच्छता को धर्म।"

वर्ष-35 अंकः11 रेल समाचार ब्यूरो प्रयागराज 01-15 जून 2025 पृष्ठ 08 मूल्यः20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

प्रधानमंत्री ने 103 अमृत स्टेशनों का किया लोकार्पण, रेलवे क्षेत्र में हो रहा ऐतिहासिक कायाकल्प

अमृत भारत स्टेशन योजना, वंदे भारत और विद्युतीकरण के जरिए रेलवे में हो रहा व्यापक परिवर्तन

सूत्र-रे.स.ब्यू- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के रेलवे ढांचे को नया स्वरूप देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हाल ही में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में पुनर्विकसित 103 अमृत स्टेशनों का उद्घाटन किया। ये स्टेशन 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित किए गए हैं और इन्हें 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ क्षेत्रीय संस्कृति और वास्तुकला की पहचान को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। योजना के अंतर्गत 1,300 से अधिक स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य जारी है। रेलवे स्टेशनों को न केवल आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें भारत की सांस्कृतिक पहचान से भी जोड़ा गया है। जैसे कि राजस्थान के देशनोक स्टेशन को करणी माता मंदिर की वास्तुकला से प्रेरित होकर विकसित किया गया है। बिहार का थावे स्टेशन माँ थावेवाली की भित्ति चित्रों और मधुबनी पेंटिंग से सज्जित है, तेलंगाना के बेगमपेट स्टेशन में काकतीय शैली दिखाई देती है और गुजरात का डाकोर स्टेशन रणछोड़राय जी महाराज की छवि को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने रेलवे क्षेत्र में हो रहे बुनियादी बदलावों का उल्लेख करते हुए बताया कि देश का रेल नेटवर्क शत-प्रतिशत विद्युतीकरण की ओर बढ़ रहा है। इसी क्रम में उन्होंने चुरू-सादुलपुर रेल लाइन (58 किमी) की आधारशिला रखी और सूरतगढ़-फलोदी (336 किमी), फुलेरा-डेगाना (109 किमी), उदयपुर-हिम्मतनगर (210 किमी), फलोदी-जैसलमेर (157 किमी) और समदड़ी-बाड़मेर (129 किमी) रेल लाइनों के विद्युतीकरण को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि पिछले 11 वर्षों में 34,000 किमी से अधिक नई रेल पटरियों का निर्माण हुआ है और सैकड़ों ओवरब्रिज व अंडरब्रिज बनाए गए हैं। ब्रॉड गेज लाइनों पर मानव रहित लेवल क्रॉसिंग को पूर्ण रूप से समाप्त किया गया है जिससे रेल संचालन में सुरक्षा में बड़ा सुधार आया है। रेलवे में आधुनिकता लाने की दिशा में वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत ट्रेनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेनें अब लगभग 70 मार्गों पर संचालित हो रही हैं, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में भी तेज और आधुनिक कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माल ढुलाई के लिए समर्पित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCs) तेजी से विकसित किए जा रहे हैं, जिससे कार्गो ट्रैफिक को सुव्यवस्थित किया जा सके। उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के प्रगति की भी जानकारी दी। रेलवे स्टेशनों को अब दिव्यांगजन अनुकूल, हरित ऊर्जा युक्त, डिजिटल सुविधाओं से लैस, और यात्रियों की जरूरतों के अनुसार समावेशी रूप में विकसित किया जा रहा है। भारत में रेलवे केवल एक यातायात साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की एक मजबूत कड़ी बन चुका है।

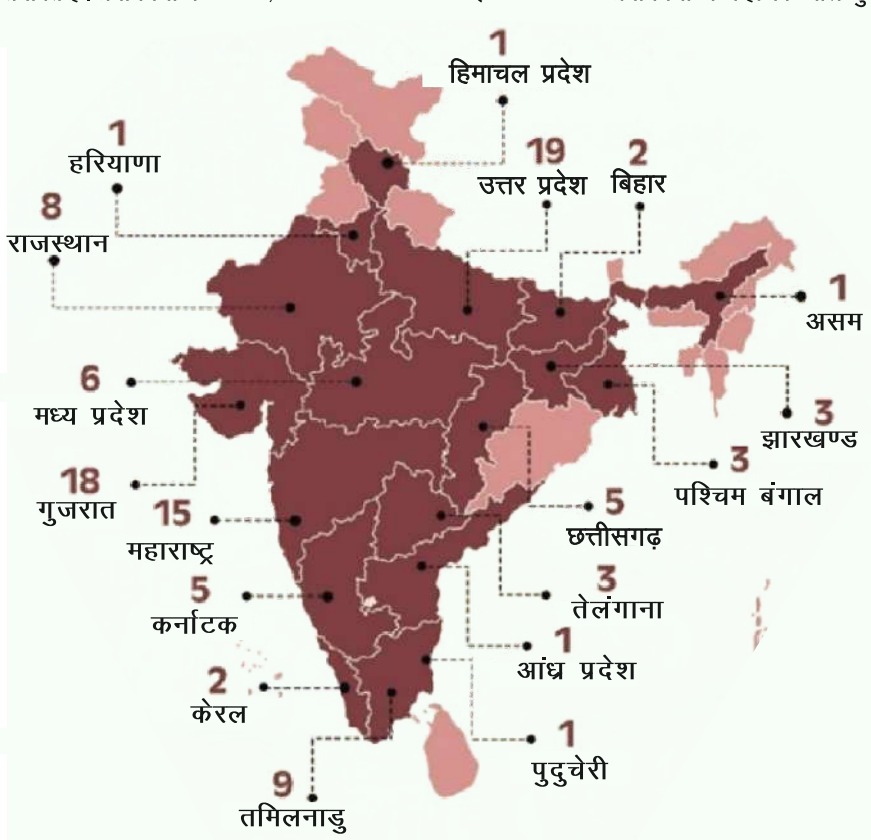

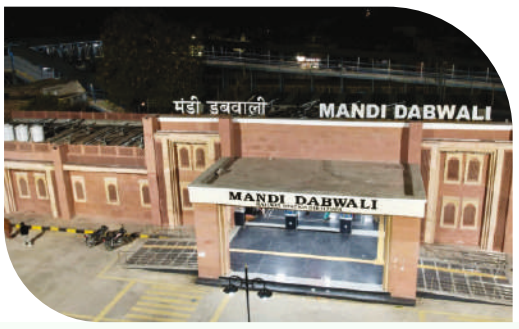

राजस्थान को दी रेल विद्युतीकरण की बड़ी सौगात

देशनोक स्टेशन से गूंजा नारा "दाल बाटी चूरमा, हम भारत के सूरमा", ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बच्चों में उमंग और उत्साह

रेलवे विकास की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में चुरू-सादुलपुर (58 किमी) नई रेल लाइन की आधारशिला रखी। इसके साथ ही उन्होंने राज्य की महत्वपूर्ण रेल लाइनों के विद्युतीकरण कार्यों को राष्ट्र को समर्पित किया।

अमृत भारत स्टेशन की विशेषताएं – आधुनिकता और सुविधा का संगम

- नए लिफ्ट, वातानुकूलित कार्यालय और आरामदायक लाउंज की सुविधा
- दिव्यांगजनों के लिए समर्पित विशेष सुविधाएं
- प्लेटफॉर्म्स का नवीनीकरण
- स्टेशन परिसर में आकर्षक गार्डन और हरियाली
- नई डिज़ाइन के साथ आधुनिक बुकिंग ऑफिस और स्पष्ट संकेत बोर्ड

विद्युतीकृत रेल मार्गों में शामिल हैं –

- सूरतगढ़-फलोदी (336 किमी)
- फलोदी-जैसलमेर (157 किमी)
- फुलेरा-डेगाना (109 किमी)
- समदड़ी-बाड़मेर (129 किमी)
- उदयपुर-हिम्मतनगर (210 किमी)

इन परियोजनाओं से न केवल राज्य में रेल परिवहन की गति और दक्षता में वृद्धि होगी, बल्कि ईंधन की बचत, कार्बन उत्सर्जन में कमी और पर्यावरण संरक्षण जैसे अनेक लाभ भी होंगे। चुरू-सादुलपुर लाइन के निर्माण से स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और क्षेत्रीय व्यापार, रोजगार और पर्यटन को नया आयाम मिलेगा।

माल परिवहन के क्षेत्र में रेलवे के एक नए युग की हुई शुरुआत

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गुजरात के दाहोद स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में लोको निर्माण केंद्र का किया गया लोकार्पण
- दाहोद स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में लोको निर्माण केंद्र परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम।
- 9,000 हॉर्सपावर क्षमता वाले 1,200 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजनों का निर्माण किया जाएगा। मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड को इससे बढ़ावा मिलेगा।

दाहोद सुविधा की एक प्रमुख विशेषता कौशल विकास पर जोर है। एक वर्चुअल डिजिटल मॉडल विकसित किया गया है, जो मैकेनिकों और ड्राइवरों को प्रशिक्षण देने में सहायता करता है। इस परियोजना से जुड़े अवसंरचना विकास के तहत 85% नौकरियां स्थानीय युवाओं को मिली हैं। कार्यबल की तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल बनाए गए हैं। यह लोको निर्माण केंद्र न केवल रोजगार सृजित कर रहा है, बल्कि दाहोद क्षेत्र में उद्योगों और आधारभूत संरचना के विकास को भी गति दे रहा है।

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय रेल ने मालवाहन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण छलांग लगा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 26 मई, 2025 को गुजरात के दाहोद स्थित रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप में लोको निर्माण केंद्र का लोकार्पण किया जाना इस परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। एक ऐसा कदम जो तेज गति, माल वाहन में वृद्धि और सतत विकास को गति देने की प्रतिबद्धता से परिपूर्ण होगा। इस अत्याधुनिक सुविधा में 9,000 हॉर्सपावर क्षमता वाले 1,200 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजनों का निर्माण किया जाएगा। इससे मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड को बढ़ावा मिलेगा। ये इंजन 4,500 से 5,000 टन तक के भारी माल को तीव्र चढ़ाई पर भी आसानी से ले जाने में सक्षम हैं। जिससे भारी मालवाहन परिवहन में क्रांतिकारी परिवर्तन आएगा। मेक इन इंडिया पहल के तहत निर्मित ये इंजन अत्याधुनिक IGBT-आधारित प्रणोदन तकनीक से सुसज्जित हैं, जो ऊर्जा दक्षता और संचालन प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हैं। ये विशेषताएं भारतीय रेल को आधुनिक, विश्वसनीय और पर्यावरण अनुकूल मालवाहक लॉजिस्टिक्स के अग्रणी पथ पर ले जाती हैं। 9000 हॉर्सपावर की यह लोकोमोटिव भारतीय रेल द्वारा विकसित सबसे शक्तिशाली एकल-इकाई इलेक्ट्रिक इंजन है। अब तक मालवाहक इंजन आमतौर पर 4500 या 6000 हॉर्सपावर की क्षमता वाले चलते थे। जबकि 12,000 हॉर्सपावर के इंजन भी हैं, वे दो 6000 हॉर्सपावर इकाइयों को जोड़कर बनाए जाते हैं। इसके विपरीत, दाहोद में निर्मित यह इंजन एकीकृत उच्च-शक्ति समाधान प्रदान करता है, जो लंबे और भारी माल गाड़ियों को आसानी से खींच सकता है। इस बढ़ी हुई क्षमता का अर्थ है कम ट्रिप्स में अधिक माल परिवहन। जिससे समय की बचत, भीड़भाड़ में कमी और बेहतर लॉजिस्टिक्स दक्षता सुनिश्चित होती है। इससे रेल यातायात अनुकूलित होगा। जिससे व्यस्त मार्गों पर दबाव घटेगा। साथ ही, मानव संसाधन और ऊर्जा खपत में कमी आएगी। ये सभी लाभ उद्योगों के लिए लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर मूल्य प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाएंगे। एक समय ऐसा भी था जब रेलवे कार्यों का प्रमुख केंद्र रहे दाहोद में गतिविधियां घट गई थीं। 2022 में प्रधानमंत्री मोदी ने इसे रेलवे निर्माण के एक नए केंद्र के रूप में पुनः स्थापित करने का दृष्टिकोण रखा। आज यह दृष्टिकोण साकार हो रहा है। लोको निर्माण केंद्र भारतीय रेल के लिए ब्रॉड गेज और निर्यात के लिए स्टैंडर्ड गेज दोनों प्रकार के इंजन बनाने में सक्षम है। यह दोहरी क्षमता भारत को वैश्विक रेल निर्माण बाजार में मजबूत स्थिति प्रदान करती है। इस परियोजना में 89% पुर्जे भारत में बनाए गए हैं, जिससे यह 'मेक इन इंडिया' और 'मेक फॉर वर्ल्ड' दोनों अभियानों के अनुरूप है। 9000 हॉर्सपावर इंजन की खासियत इसकी सततता में निहित है। इसका निर्माण हरित ऊर्जा से संचालित फैक्ट्री में होता है, जिसे ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग टैग मिला है। इसके अलावा, इसमें पुनर्योज्य ब्रेकिंग तकनीक भी है, जो ब्रेक लगने पर ऊर्जा को ग्रिड में वापस भेजती है। जिससे कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। ये विशेषताएं भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को सशक्त करती हैं। इस इंजन में 'कवच' प्रणाली (भारत की स्वदेशी टककर-रोधी प्रणाली), वातानुकूलित ड्राइवर केबिन, कम शोर और कंपन जैसी विशेषताएं हैं, जो सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करती हैं। इंजन के सभी ओर लगे कैमरे निगरानी और सुरक्षा को और बेहतर बनाते हैं। इसके शौचालय में इलेक्ट्रॉनिक लॉक होते हैं जो केवल इंजन के स्थिर रहने पर खुलते हैं। जिससे संचालन अनुशासन सुनिश्चित होता है।

9000 हॉर्सपावर इंजन मालवाहन परिवहन की एक नई प्रणाली का केंद्र बनने जा रहा है। इसकी शक्ति, दक्षता और डिजाइन भारतीय रेल को अधिक प्रतिस्पर्धी, अधिक टिकाऊ और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए बेहतर सुसज्जित बनाएंगे। तकनीक, क्षेत्रीय विकास और वैश्विक दृष्टिकोण के संयोजन से दाहोद में बना यह इंजन न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी मालवाहन परिवहन की दिशा को नया आयाम देगा।

बिहार में रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक और कदम

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने जमालपुर लोकोमोटिव वर्कशॉप में वैगन पीओएच क्षमता वृद्धि की परियोजना की आधारशिला रखी

सूत्र-रे.स.ब्यू- माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी बिहार के दौरे पर पटना पहुंचे जहां उन्होंने दिनांक 23.05.2025 को बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार से मुलाकात की तथा बिहार में रेलवे से जुड़ी परियोजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम के दौरान माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने पटना से जमालपुर के बीच विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जमालपुर पहुंचने के उपरांत केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने जमालपुर स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 30 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का जायज़ा लिया एवं अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जमालपुर वर्कशॉप पहुंचने पर, माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री वैष्णव ने अन्य मंत्रियों और गणमान्य व्यक्तियों के साथ वैगन निर्माण शॉप और क्रेन शॉप आदि का निरीक्षण किया तथा जमालपुर वर्कशॉप के उन्नयन के लिए 78.96 करोड़ रुपये के रूप में एक और सौगात देते हुए जमालपुर वर्कशॉप में वैगन पीओएच क्षमता वृद्धि परियोजना की आधारशिला रखी। वैगन निर्माण वर्कशॉप में रेल मंत्री ने जमालपुर वर्कशॉप में निर्मित बॉक्सएन वैगन, बीएलसीएस वैगन तथा शौचालय युक्त ब्रेक वैन के निर्माण का निरीक्षण किया। क्रेन वर्कशॉप में माननीय मंत्री ने नवनिर्मित 140 टन क्रेन, 8-व्हीलर टावर कार तथा जमालपुर जैक का निरीक्षण किया, जो इस वर्कशॉप के विशेष उत्पादों में शामिल हैं। वर्कशॉप में केंद्रीय रेल मंत्री

का जमालपुर लोकोमोटिव वर्कशॉप के कर्मचारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद केंद्रीय रेल मंत्री ने इंडियन रेलवे इंस्टीच्यूट आफ मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग (IRIMEE) जमालपुर का दौरा किया, जहां उन्होंने वेल्डिंग, न्यूमेटिक्स, हाइड्रोलिक्स तथा मेक्ट्रोनिक्स जैसी इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं पर विस्तृत विकास योजना वाली ''सेंटर आफ एक्सीलेंस'' नामक पुस्तिका का विमोचन किया। इस पुस्तक में इंडियन रेलवे इंस्टीच्यूट आफ मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, जमालपुर में इंजीनियरों के लिए इस प्रतिष्ठित प्रशिक्षण केंद्र में बुनियादी ढांचे, प्रशिक्षण सुविधा के उन्नयन एवं विकास के लिए वेल्डिंग, न्यूमेटिक्स, हाइड्रोलिक्स तथा मेक्ट्रोनिक्स विषयों पर कार्य योजनाएं शामिल हैं। 350 करोड़ रुपये की लागत से जमालपुर स्टेशन, इरमी और वर्कशॉप का उन्नयन एवं विकास किया जाना है। आज के परिदृश्य में आवश्यकता के अनुरूप एवं भविष्य को ध्यान में रखते हुए वैगन, क्रेन और जमालपुर जैक आदि के निर्माण के लक्ष्यों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है जिसके लिए वर्कशाप के आधारभूत संरचना के विकास का भी लक्ष्य रखा गया है । जमालपुर लोकोमोटिव वर्कशॉप में वैगन पीओएच वृद्धि के लिए 545 से 800 वैगन प्रति माह की परियोजना की आधारशिला रखने के साथ ही वैगन ओवरहालिंग क्षमता 255 यूनिट प्रति माह से अधिक हो जाएगी। इस क्षमता वृद्धि परियोजना को लगभग 79 करोड़ रुपये की लागत से क्रियान्वित किया जाएगा। इससे टर्न अराउंड टाइम में सुधार होगा, वैगन की उपलब्धता बढ़ेगी और परिचालन में सुधार होगा। वर्ष 2026 से इंडियन रेलवे इंस्टीच्यूट आफ मैकेनिकल एंड इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग, जमालपुर में रेलवे के अधिकारियों के अलावा बाहरी लोगों को भी स्कील डेवलपमेंट की ट्रेनिंग की शुरूआत की जाएगी जिसमें मैकेनिकल, इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विषयों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। यह इंस्टीच्यूट भारतवर्ष का एक उत्कृष्ट शैक्षणिक केन्द्र होगा जो मील का पत्थर साबित होगा। वर्ष 2009 से 2014 के मध्य बिहार में रेलवे के विकास के लिए प्रतिवर्ष औसतन 1,132 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में बढ़ाकर इस वर्ष 10 हजार 66 करोड़ रूपये कर दिया गया है, जो कि पिछली सरकार की तुलना में 09 गुना ज्यादा है। बिहार में जहां 2009-14 के मध्य औसतन प्रतिवर्ष 64 किमी नई लाइन का निर्माण होता था वहीं 2014 से 2024 के मध्य औसतन प्रतिवर्ष 167 किमी नई लाइन का निर्माण हुआ है जो लगभग 2.5 गुणा ज्यादा है। इसी तरह बिहार में जहां 2009-14 के मध्य औसतन प्रतिवर्ष 30 किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण होता था वहीं 2014 से 2024 के मध्य औसतन प्रतिवर्ष 275 किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण हुआ है जो लगभग 09 गुणा ज्यादा है। बिहार में 2014 से 1832 किमी नई लाईन का निर्माण किया जा चुका है जो लगभग मलेशिया के कुल रेल नेटवर्क के बराबर है । इसके साथ ही बिहार में 2014 से 3020 किमी रेलवे ट्रैक का विद्युतीकरण किया जा चुका है तथा बिहार में रेलवे का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका है। इन सभी प्रयासों से बिहार के सामाजिक-आर्थिक स्थिति समृद्ध होगी ।

गुरदासपुर–मुकेरियां परियोजना का अंतिम स्थान सर्वे रेलवे द्वारा स्वीकृतः रवनीत बिट्टू

इससे क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को मिलेगी गति

सूत्र-रे.स.ब्यू-रेल मंत्रालय ने 30 किलोमीटर लंबे गुरदासपुर मुकेरियां रेल लिंक के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है। इसे क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए, केंद्रीय राज्य मंत्री (रेल मंत्रालय और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग), श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि यह नई रेल लाइन क्षेत्रीय संपर्क के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और अमृतसर की ओर एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगी। रवनीत सिंह बिट्टू ने आगे बताया कि गुरदासपुर पंजाब के माझा क्षेत्र में स्थित है, जो रावी और ब्यास नदियों के बीच स्थित है। यह एक जिला मुख्यालय है जो पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करता है। गुरदासपुर रेलवे स्टेशन से अनाज और खाद की लोडिंग की जाती है, और औसतन हर महीने यहाँ से लगभग 5 रेक निपटाए जाते हैं। इस क्षेत्र में चिन्ना और कठनंगल नाम के दो गुड्स कैरियर टर्मिनल (GCT) भी सक्रिय हैं। इस क्षेत्र से माल को अंबाला की ओर भेजने या वहां से लाने के लिए वर्तमान में अमृतसर और जालंधर (लगभग 140 किलोमीटर) या पठानकोट और जालंधर (लगभग 142 किलोमीटर) के रास्ते से लंबा सफर तय करना पड़ता है। कई बार रेक्स को अमृतसर स्टेशन से होकर जाते समय रिवर्स करना भी पड़ता है। इस नई रेल लाइन के निर्माण के बाद ट्रैफिक मुकेरियां (लगभग 92 किलोमीटर) के रास्ते से चलेगा, जिससे हर रेक पर लगभग 50 किलोमीटर की दूरी बचेगी और अमृतसर में रिवर्सिंग से भी छुटकारा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि गुरदासपुर एक सीमावर्ती जिला होने के कारण यहां टिब्बर (टीबरी कैंट) में सैन्य क्षेत्र भी है, जिस कारण इस प्रस्तावित रेल लाइन से सैन्य ट्रैफिक भी संचालित किया जाएगा। इसके अलावा, धारीवाल से स्थानीय ट्रैफिक की भी संभावना है क्योंकि यह क्षेत्र ऊनी कपड़े बनाने के लिए प्रसिद्ध है।

रेलवे को मिली दोहरी रफ्तारः महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मिली मंजूरी

ईंधन आयात में कमी, लागत में बचत और कम होगा CO_2 उत्सर्जन – पर्यावरण व अर्थव्यवस्था दोनों को मिलेगा लाभ

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय रेल की लाइन क्षमता बढ़ाने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने भारतीय रेल में दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी, ताकि यात्रियों और वस्तुओं का निर्बाध एवं तेज परिवहन सुनिश्चित किया जा सके।

इन परियोजनाओं में शामिल हैंः

- रतलाम-नागदा तीसरी और चौथी लाइन
- वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन

इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 3,399 करोड़ रुपये (लगभग) है और इन्हें 2029-30 तक पूरा किया जाएगा। ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुई हैं। ये यात्रियों, वस्तुओं और सेवाओं के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेंगी। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के चार जिलों को समाहित करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 176 किलोमीटर तक विस्तारित करेंगी। प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 784 गांवों तक संपर्क सुविधा बढ़ाएंगी, जिनकी आबादी लगभग 19.74 लाख है। ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, जिप्सम, फ्लाई ऐश, कंटेनर, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 18.40 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात (20 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन (99 करोड़ किलोग्राम) में कमी करने में मदद करेगा, जो 4 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। परियोजनाओं के दौरान लगभग 74 लाख मानव-दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। ये पहल यात्रा सुविधा में सुधार करेगी, लॉजिस्टिक लागत, तेल आयात और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में योगदान देगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल संचालन को मजबूती मिलेगी। परियोजनाएं कंटेनर, कोयला, सीमेंट, कृषि वस्तुओं और अन्य सामानों के परिवहन के लिए महत्वपूर्ण मार्गों पर लाइन क्षमता को बढ़ाकर लॉजिस्टिक दक्षता को भी बढ़ाएँगी। इन सुधारों से आपूर्ति श्रृंखलाओं के बेहतर उपयोग की आशा है, जिससे आर्थिक विकास में तेजी आएगी। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेल के लिए परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को ''आत्मनिर्भर'' बनाएंगी, जिससे उनके लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना को बड़ी सफलताः 300 किमी वायाडक्ट का निर्माण कार्य पूर्ण

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट ने रफ्तार पकड़ी, सुपरस्ट्रक्चर निर्माण में उपलब्धि

सूत्र-रे.स.ब्यू- मुंबई और अहमदाबाद को जोड़ने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना ने एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार किया है। परियोजना के तहत 300 किलोमीटर लंबे वायाडक्ट (ऊंचे पुलों) का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह उपलब्धि गुजरात के सूरत के पास 40 मीटर लंबे फुल-स्पैन बॉक्स गर्डर के सफल लॉन्च के साथ दर्ज की गई। इस 300 कि.मी. वायाडक्ट निर्माण में 257.4 कि.मी. खंड फुल स्पैन लॉन्चिंग विधि (FSLM) द्वारा और 37.8 कि.मी. स्पैन-बाय-स्पैन (SBS) तकनीक से तैयार किए गए हैं। इसके अलावा परियोजना में 14 नदी पुल, 7 स्टील ब्रिज (0.9 कि.मी.), 5 पीएससी ब्रिज (1.2 कि.मी.) और 2.7 कि.मी. स्टेशन स्ट्रक्चर भी शामिल हैं। एफएसएलएम विधि ने निर्माण को गति दी है, क्योंकि यह पारंपरिक सेगमेंटल तकनीक से 10 गुना तेज है। प्रत्येक फुल-स्पैन बॉक्स गर्डर का वजन लगभग 970 मीट्रिक टन है। जहाँ फुल-स्पैन इंस्टॉलेशन संभव नहीं था, वहाँ सेगमेंटल गर्डरों का उपयोग किया गया। निर्माण कार्य के लिए 27 कास्टिंग यार्ड स्थापित किए गए हैं और स्टील ब्रिजों का निर्माण देशभर की 7 वर्कशॉप्स में हुआ है। जिनमें गुजरात, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल शामिल हैं, जो भारत की एकता और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है। परियोजना में 3 लाख से अधिक नॉइज़ बैरियर भी लगाए गए हैं ताकि परिचालन के दौरान ध्वनि प्रदूषण को कम किया जा सके। अब तक 383 किमी पियर, 401 किमी फाउंडेशन और 326 किमी गर्डर कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। वायाडक्ट्स पर ट्रैक बिछाने का कार्य भी शुरू हो गया है, जिसमें गुजरात में 157 किमी आरसी ट्रैक बेड तैयार किया जा चुका है। बुलेट ट्रेन के अत्याधुनिक स्टेशनों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। ये स्टेशन रेल और सड़क परिवहन के साथ एकीकृत किए जाएंगे, जहां यात्रियों के लिए सभी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इस परियोजना में प्रयुक्त सभी उपकरण स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित किए गए हैं, जैसे स्ट्रैडल कैरियर्स, लॉन्चिंग गैंट्रीज और ब्रिज ट्रांसपोर्टर्स-जो ''मेक इन इंडिया'' पहल को मजबूती देते हैं। जापान सरकार के सहयोग से संचालित यह परियोजना भारत में हाई-स्पीड रेल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सशक्त आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनकर उभरी है।

''अजमेर–जम्मूतवी एक्सप्रेस'' अब ''गलताधाम पूजा सुपरफास्ट एक्सप्रेस'' के नाम से दौड़ेगी।

सूत्र-रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन ने गाड़ी संख्या 12413/ 12414 अजमेर जम्मूतवी अजमेर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का नाम परिवर्तित करते हुए इसे अब ''गलताधाम पूजा सुपरफास्ट एक्सप्रेस'' के नाम से संचालित करने का निर्णय लिया है। यह नाम परिवर्तन तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। यात्रियों को सूचित किया जाता है कि अब यह सुपरफास्ट रेलसेवा अपने नए नाम ''गलताधाम पूजा सुपरफास्ट एक्सप्रेस'' से ही परिचालित की जाएगी। यात्रा व आरक्षण संबंधी सभी विवरणों में नए नाम का ही उपयोग किया जाएगा। रेल प्रशासन ने इस परिवर्तन के संबंध में सभी संबंधित विभागों को सूचित कर दिया है, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS) के सुचारु क्रियान्वयन को लेकर उत्तर रेलवे मुख्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक।

सूत्र-रे.स.ब्यू- रेलवे बोर्ड की अपर सदस्य (एचआर) श्रीमती वी. जी. भूमा की उपस्थिति में 19 मई, 2025 को उत्तर रेलवे मुख्यालय में मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य HRMS प्रणाली के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा करना तथा इसके लागू होने में आ रही चुनौतियों और उनके समाधान पर गहन चर्चा करना था। बैठक में उत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी (PCPO) श्री सुजीत कुमार मिश्रा सहित कार्मिक विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने HRMS के अंतर्गत कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाओं का डिजिटलीकरण, स्वचालित प्रोसेसिंग, पदोन्नति, स्थानांतरण, अवकाश आवेदन सहित अन्य मॉड्यूल्स की स्थिति पर प्रस्तुति दी। श्रीमती भूमा ने HRMS के माध्यम से रेलवे कार्मिकों की सेवाओं में पारदर्शिता, गति और दक्षता लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों से समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और सभी कर्मचारियों को इस प्रणाली के प्रति जागरूक एवं प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उत्तर रेलवे द्वारा अब तक की गई प्रगति की सराहना की गई और भविष्य की दिशा तय करने के लिए आवश्यक कदमों पर भी मंथन हुआ।

अमृत स्टेशनों में झलकता राजस्थान का गौरव।

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय रेल को देश की जीवन रेखा कहा जाता है। रेल परिचालन में रेलवे स्टेशनों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और ये रेलवे स्टेशन शहर की पहचान भी होते हैं। अधिकांश रेलवे स्टेशन हार्ट ऑफ द सिटी होते हैं, जिनके आसपास शहर की सभी आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियां केंद्रित होती हैं। इसलिए रेलवे स्टेशनों का इस ढंग से विकास किया जाना आवश्यक है कि रेलवे स्टेशन न सिर्फ रेलगाड़ियों के ठहराव के स्थान बनें, बल्कि शहर की पहचान भी बनें। सुंदर और भव्य स्टेशनों को जब शहर की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक विरासत के आधार पर विकसित किया जाता है, तो ट्रेन से पहुंचने वाला देसी और विदेशी पर्यटक शहर के साथ अपने प्रथम परिचय को यादगार बना लेता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की वैश्विक साख बढ़ी है। देश के विभिन्न रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि 'विकसित होने के लक्ष्य की तरफ कदम बढ़ा रहा भारत अपने अमृत काल के प्रारंभ में है। नई ऊर्जा है, नई प्रेरणा है, नए संकल्प हैं।' भारतीय रेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से देश के 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का काम प्रारंभ किया और अब 2 वर्ष से भी कम की अवधि में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित 103 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन होने वाला है। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की यह गति अद्वितीय है। अनेक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री कह चुके हैं कि जिन परियोजनाओं का वह शिलान्यास करते हैं, उनका उद्घाटन भी वही करते हैं। वस्तुतः विकसित होते हुए भारत की यह नई संस्कृति है, जिसके तहत परियोजनाओं को पूरा करने की गति काफी तेज हुई है। भारतीय रेल ने जितनी तेज गति से इस काम को संपन्न किया है, उसके लिए उसकी सराहना की जानी चाहिए। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किए जा रहे 1300 से अधिक स्टेशनों में जो 103 स्टेशन अभी बनकर तैयार हुए हैं, उनमें राजस्थान राज्य के आठ स्टेशन - बूंदी, मांडलगढ़, देशनोक, गोगामेड़ी, गोविंदगढ़, मंडावर-महुवा रोड, फतेहपुर शेखावाटी और राजगढ़ शामिल हैं। 75 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित इन स्टेशनों में सौंदर्य, सुविधा और संस्कृति-तीनों का समन्वय है। इन स्टेशनों पर भव्य प्रवेश द्वार, आकर्षक फसाड, हाई मास्ट लाइटिंग, आधुनिक प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, मॉडर्न टॉयलेट और दिव्यांगजन के लिए सुगम रैंप जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। प्लेटफॉर्म पर शेल्टर, कोच इंडिकेशन सिस्टम और सूचना के लिए डिजिटल डिस्प्ले लगाए गए हैं। सभी सुविधाओं को दिव्यांगजन अनुकूल बनाया गया है। वहीं, हर स्टेशन पर राजस्थान की लोक कला, संस्कृति और परंपराओं की झलक भी देखने को मिल रही है। देशनोक स्टेशन के वास्तु में करणी माता मंदिर की झलक मिल रही है। इस स्टेशन पर श्रद्धालुओं के लिए नया स्टेशन भवन, मॉडर्न टॉयलेट, पार्किंग, पोर्च, कोच पोजिशन डिस्प्ले बोर्ड, जल बूथ, साइन बोर्ड, प्लेटफॉर्म शेल्टर्स आदि शामिल हैं। प्रवेश एवं निकास को सुव्यवस्थित बनाते हुए अलग-अलग गेट की व्यवस्था की गई है। वहीं, बूंदी जो अपनी चित्रकला और किलों के लिए प्रसिद्ध है, अब एक सुंदर, व्यवस्थित और यात्री अनुकूल स्टेशन में तब्दील हो गया है। फतेहपुर शेखावाटी के स्टेशन परिसर में अब वहां की शेखावाटी शैली की चित्रकारी और स्थापत्य कला की झलक दिखाई दे रही है। गोगामेड़ी, गोविंदगढ़, मंडावर-महुवा रोड और मांडलगढ़ जैसे स्टेशन अब सिर्फ ट्रांजिट पॉइंट नहीं बल्कि स्थानीय जीवन से जुड़े हुए सुविधाजनक केंद्र बन गए हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत राजस्थान अब उस दिशा में बढ़ रहा है, जिसका हर स्टेशन परंपरा, सुविधा और विकास की गाथा कह रहा है। रेल का पहिया देश के विकास का पहिया है। रेलवे स्टेशन विकास के रथ पर सवार देश के प्रमुख केंद्र हैं। भारतीय रेल और रेलवे स्टेशनों की प्रगति में हर भारतीय की सहभागिता है। इस सहभागिता को और मजबूत करना है। इनकी हिफाजत करना, इनको स्वच्छ बनाए रखना भी हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें
SCAN QR
www.railsamacharbureauald.com

रेनू पुष्कर छिब्बर ने महानिरीक्षक/आईजी, रेलवे सुरक्षा बल उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार ग्रहण किया।

सूत्र-रे.स.ब्यू- दिनांक 21.05.2025 को रेनू पुष्कर छिब्बर ने महानिरीक्षक/आईजी, रेलवे सुरक्षा बल, उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार ग्रहण किया। सुश्री रेनू पुष्कर 1994 बैच की अधिकारी हैं और मूल रूप से लखनऊ की निवासी हैं। रेनू पुष्कर छिब्बर वर्ष 2022 में महानिरीक्षक/आईजी के पद पर पदोन्नत होने के उपरांत DFCCIL, नई दिल्ली में महाप्रबंधक के पद पर कार्य कर चुकी हैं। इससे पूर्व इनके द्वारा उत्तर रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे, रेलवे बोर्ड में महत्वपूर्ण स्थानों पर जिम्मेदारियों का निर्वहन किया गया है। रेनू पुष्कर की पहचान प्रारंभ से ही आरपीएफ की तेजतर्रार अधिकारी के रूप में रही है। उत्तर मध्य रेलवे में भी महोदया की तेजतर्रार व ईमानदार छवि के कारण रेलवे में बढ़ रहे अपराध कम होंगे तथा आरपीएफ व रेलवे की एक अलग छवि देखने को मिलेगी। महानिदेशक/आरपीएफ, रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा महानिरीक्षक/आईजी श्री अमिय नन्दन सिन्हा को महाकुंभ-2025 में उनके किए गए अविश्वसनीय व कठिन परिश्रम के कारण एक बड़ी जिम्मेदारी प्रदान करते हुए पूर्व रेलवे, कोलकाता में महानिरीक्षक के पद पर नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भारतीय सेना के सम्मान में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म बेंचों को विशेष रंगों से सजाया गया ।

सूत्र-रे.स.ब्यू- देश के नागरिक रात्रि में और दिन में भी सुकून की नींद सो सकते हैं, क्यों कि भारत की सीमाओं की सुरक्षा में देश के रक्षक - हमारे वीर जवान निरंतर हमारी सीमाओं की नभ, जल और धरती से सुरक्षा कर रहे हैं । प्रयागराज मण्डल ने राष्ट्र की रक्षा में अपने अदम्य साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा के साथ समर्पित भारतीय सेना के जवानों के सम्मान में करछना और गोविंदपुरी स्टेशन के प्लेटफार्म की बेंचों को भारतीय सेना के विशिष्ट रंगों में सजाया गया है । ऑपरेशन सिन्दूर के अंतर्गत सेवा देने वाले सैनिकों के सम्मान में प्रयागराज ज., कानपुर सेन्ट्रल, करछना रेलवे स्टेशन, इटावा, गोविंदपुरी स्टेशन सहित विभिन्न स्टेशनों पोअर बेंचों को भारतीय सेना के विशिष्ट रंगों में सजाया गया है। इस पहल से देश में सेना के प्रतिकृतज्ञता के साथ समाज में देशभक्ति की भावना और प्रबल होगी । भारतीय सेना के विशिष्ट रंगों से प्लेटफार्म की बेंचों को रंगने का नवाचार यात्रियों को विशेष अनुभव प्रदान करेगा । प्रयागराज मण्डल का यह प्रयास सभी को स्मरण कराएगा कि हमारी शांति, सुरक्षा और स्वतंत्रता हमारे वीर सैनिकों के त्याग की देन है। रेल प्रशासन की यह पहल देशभक्ति, एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है, जो युवाओं को प्रेरित करेगी और राष्ट्र सेवा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देगी।

वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी – प्रयागराज एक्सप्रेस का ग्वालियर तक विस्तार का भव्य शुभारंभ।

सूत्र-रे.स.ब्यू- दिनांक 27.05.2025 को उत्तर मध्य रेलवे, झाँसी मंडल द्वारा संचालित गाड़ी संख्या 11801/11802 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी - प्रयागराज-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी एक्सप्रेस का ग्वालियर रेलवे स्टेशन तक विस्तार किया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय कैबिनेट मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तथा माननीय सांसद, ग्वालियर श्री भारत सिंह कुशवाहा द्वारा हरी झंडी दिखाकर इस सेवा के विस्तारित सेवा का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री नंदीश शुक्ल, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा सहित गणमान्य नागरिक, अन्य अधिकारी, स्टाफ और रेल उपयोगकर्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर रेलवे अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति से कार्यक्रम गौरवमयी बन गया। यह विस्तार ग्वालियर क्षेत्र के यात्रियों के लिए एक बड़ी सौगात है, जिससे झाँसी, प्रयागराज तथा अन्य महत्वपूर्ण गंतव्यों के लिए यात्रा अब और अधिक सुविधाजनक होगी।

महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित शेल स्टोर का उद्घाटन

सूत्र-रे.स.ब्यू- आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में दिनांक 28.05.2025 को नवनिर्मित शेल स्टोर का उद्घाटन महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। आरेडिका को 1000 कोच निर्माण की क्षमता हेतु स्थापित किया गया था। लेकिन निर्माण क्षमता में आरेडिका लगातार वृद्धि कर रहा है, अतः उत्पादन को गति देने के लिए अवसंरचना में विस्तार करना भी आवश्यक होता है, जिससे कोच निर्माण में उपयोग होने वाली सामग्री का उचित रख-रखाव हो सके। शेल डिपो की सामग्री भण्डारण हेतु लम्बे समय से एक अतिरिक्त 4000 स्क्वायर मीटर के शेल स्टोर की आवश्यकता महसूस हो रही थी। इसलिए अभियांत्रिकी विभाग एवं स्टोर विभाग के सहयोग से नये शेल स्टोर का निर्माण कार्य किया गया है। महाप्रबंधक महोदय ने बताया कि यह अवसंरचना विस्तार हेतु एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके निर्माण से रेल डिब्बा के उत्पादन में वृद्धि होगी एवं अतिरिक्त सामग्री प्रबंधन में मदद मिलेगी। इसके साथ ही महाप्रबंधक महोदय ने इसके आस- पास के क्षेत्र को भी विकसित कर स्टोर विभाग के उपयोग को देने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। आरेडिका के प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजीव खण्डेलवाल ने बताया कि नवनिर्मित शेल स्टोर के निर्माण से स्टोर विभाग को सामग्री के भण्डारण में मदद मिलेगी, जिससे बोगी एवं शेल की बडे आकार की वस्तुओं का सुरक्षित रखरखाव हो सकेगा। महाप्रबंधक महोदय ने अभियांत्रिकी विभाग एवं स्टोर विभाग को इस कार्य के लिए नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन से भारत–भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर करने का मौका

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से भारत-भूटान मिस्टिक माउंटेन टूर की एक अनोखी और अविस्मरणीय यात्रा 28 जून 2025 से प्रारंभ हो रही है। यह विशेष यात्रा दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और पूर्वोत्तर भारत की आध्यात्मिक, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को समेटते हुए भूटान के शांत और सुरम्य स्थलों तक यात्रियों को लेकर जाएगी। इस यात्रा का पहला पड़ाव गुवाहाटी होगा, जहाँ यात्री नीलाचल पहाड़ियों में स्थित प्राचीन और पवित्र कामाख्या मंदिर के दर्शन करेंगे। यह मंदिर भारत के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और देवी उपासकों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। गुवाहाटी से आगे यात्रा शिलांग की ओर बढ़ेगी, जिसे 'पूर्व का स्कॉटलैंड' कहा जाता है। यहाँ यात्री प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता का आनंद लेंगे। इसके बाद चेरापूंजी की एक दिवसीय यात्रा कराई जाएगी, जहाँ 'सेवन सिस्टर्स जलप्रपात', 'नोहकलिकाई फॉल्स' और 'एलिफेंट फॉल्स' जैसे विख्यात प्रोतिक स्थल यात्रियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके बाद समूह शिलांग वापस लौटेगा। इसके बाद यात्रा अपने अंतरराष्ट्रीय चरण में प्रवेश करेगी। पश्चिम बंगाल के हासीमारा रेलवे स्टेशन पर उतरने के पश्चात यात्री सड़क मार्ग द्वारा भूटान में प्रवेश करेंगे, जहाँ वे फुंटशोलिंग के रास्ते थिंपू पहुँचेंगे। थिंपू पहुँचने के बाद यात्रियों को आसपास के वातावरण को जानने और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का अवसर मिलेगा, रात्रि विश्राम की व्यवस्था वहीं होगी। थिंपू में स्थानीय महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण कराया जाएगा, जिसमें मोतीथांग चिड़ियाघर, नेशनल लाइब्रेरी, पारंपरिक चित्रकला विद्यालय, हस्तशिल्प बाजार और भव्य चोए द्जोंग जैसे स्थल शामिल हैं। इसके बाद यात्रा हिमालय की बर्फीली चोटियों से होते हुए ऐतिहासिक दोचू ला दर्रा के माध्यम से पुनाखा की ओर बढ़ेगी। पुनाखा में यात्री प्रसिद्ध पुनाखा द्जोंग देखेंगे, जो फो चू (पुरुष नदी) और मो चू (स्त्री नदी) के संगम पर स्थित है और भूटान के सबसे सुंदर व विशाल द्जोंग में से एक माना जाता है। भूटान यात्रा का अंतिम चरण पारो में सम्पन्न होगा, जो अपनी सीढ़ीनुमा धान के खेतों, पारंपरिक फार्महाउसों और गहन आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। पारो में यात्रा के दौरान यात्रियों को लामपेरी रॉयल बॉटनिकल पार्क, भूटान की UNESCO टेंटेटिव सूची में शामिल तामचोग ल्हाखांग आयरन ब्रिज, विश्वप्रसिद्ध टाइगर्स नेस्टॉमठ (तकत्संग ल्हाखांग) और भूटान का राष्ट्रीय संग्रहालय देखने को मिलेगा, जो इस हिमालयी राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रदान करता है। यात्रा को और अधिक यादगार बनाने के लिए यात्रियों को भूटान के राष्ट्रीय खेल तीरंदाजी (आर्चरी) का अनुभव कराया जाएगा, साथ ही पारंपरिक हॉट स्टोन बाथ में विश्राम की सुविधा भी दी जाएगी। इसके पश्चात समूह भूटान से विदा लेकर भारत लौटेगा और अगले दिन दिल्ली पहुँचेगा। यह सुव्यवस्थित टूर पैकेज ट्रेन यात्रा (विभिन्न श्रेणियों में), 3-स्टार श्रेणी के होटलों में रात्रि विश्राम, सभी दर्शनीय स्थलों का भ्रमण, शुद्ध शाकाहारी भोजन और ऑनबोर्ड व ऑफबोर्ड सुविधाओं के साथ एक समृद्ध और निर्बाध अनुभव प्रदान करता है। अधिक जानकारी और बुकिंग के लिए **www.irctctourism.com/bharat gaurav** पर विजिट करें।

स्वच्छता का संदेश

चलो बनाएं ऐसा संकल्प,
स्वच्छ रहे हर रेल प्लेटफॉर्म।
जहाँ कदम पड़े यात्रियों के,
न बिखरे वहां कोई अव्यवस्था की छाप।

पत्तल, बोतल, रैपर, कूड़ा,
ये नहीं हैं सजावट के फूल।
पटरियों की पीड़ा बन जाते हैं,
जब हम हो जाते हैं बेपरवाह और भूल।

रेलगाड़ी स्वप्नों को लेकर चलती है,
हर स्टेशन एक नयी कहानी कहता है।
तो क्यों न हम मिलकर ये ठानें-
हर कोना स्वच्छता से दमकता है?

डस्टबिन है, उसका करें सम्मान,
न डालें जमीन पर कचरे की जान।
स्वच्छ भारत की जो है परिभाषा,
वही हो हमारी संस्कृति की आशा।

यात्री हों या कर्मचारी,
सब पर है यह जिम्मेदारी समान।
''स्वच्छ प्लेटफॉर्म-सभ्य समाज''
यह बने हमारा गौरवगान।

(सत्येन्द्र कुमार दूबे)
हिंदी अनुवादक/राजभाषा
इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड
साकेत, नई दिल्ली

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सदस्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिकृत कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिपोर्टर) कार्यालय 8439 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लॉक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।
आर.एन. आई नं. 51097-90
पोस्ट ए.डी.-8
मो. **9773946044 / 9793956044**
फोन नं. **0532-2418040**

विकसित भारत की नींव बनेंगे अमृत स्टेशन

सूत्र-रे.स.ब्यू-विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए देश में परिवर्तन तीव्र गति से और स्पष्ट रूप से हो रहा है, जिसे हर नागरिक और आगंतुक सहजता से देख और अनुभव कर सकते हैं। यह विकास अब केवल नीतियों और राजनीतिक भाषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भवनों, सड़कों और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। देश में बने एक्सप्रेसवे पर यात्रा करते हुए यह महसूस होता है कि राज्यों के बीच संपर्क में सुधार हुआ है और यात्रा अधिक सुगम हो गई है। इसका उदाहरण वे आधुनिक हवाई अड्डे हैं, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों से मेल खाते हुए भारत को एक वैश्विक पहचान दिलाते हैं। यह परिवर्तन स्मार्ट शहरों के निर्माण के हिस्से के रूप में हो रहा है, जहां आधुनिक तकनीक, स्मार्ट भवनों और दीर्घकालिक योजनाओं के माध्यम से विकास को गति मिल रही है। पहले रेलवे को नजरअंदाज किया गया था, लेकिन अब यह भी इस परिवर्तन का हिस्सा बन चुका है। भारतीय रेलवे स्टेशनों को पहले केवल भीड़-भाड़ वाले, नीरस स्थान के रूप में जाना जाता था, लेकिन अब इन्हें आधुनिक रूप में तब्दील किया जा रहा है। इनका उद्देश्य केवल एक यात्री के आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक केंद्र और शहरों की पहचान के रूप में उभरना है। पहले जहां स्टेशन केवल यातायात का केंद्र थे, वहीं अब ये एक नई पहचान और उच्चतम मानक वाली सुविधाओं के साथ विकसित हो रहे हैं। अमृत भारत स्टेशन परियोजना इस बदलाव का केंद्र बिंदु है। भारतीय रेलवे की अगुवाई में, इस परियोजना के तहत देशभर में 1,300 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह सिर्फ भौतिक संरचनाओं और तकनीकी सुविधाओं को जोड़ने का काम नहीं, बल्कि यह भारत के सार्वजनिक स्थानों के प्रति दृष्टिकोण को बदलने की दिशा में एक कदम है। इस परियोजना का उद्देश्य है कि रेलवे स्टेशनों को न केवल यात्री सुविधाओं के रूप में बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाए। पहले जहां रेलवे स्टेशन केवल एक बड़े पैमाने पर यात्रियों के आवागमन के स्थान होते थे, अब ये शहरों की पहचान और जीवनशैली के प्रतीक बन गए हैं। इन स्टेशनों को अब एक नए दृष्टिकोण से डिजाइन किया जा रहा है, जहां केवल ट्रेनों का संचालन ही नहीं, बल्कि लोगों के अन्य आवश्यक कामकाज भी पूरे होते हैं। अमृत भारत स्टेशन परियोजना का प्रमुख उद्देश्य दीर्घकालिक विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। इसमें रेलवे स्टेशनों का मास्टर प्लान विकसित किया जा रहा है, जो न केवल यात्रियों की संख्या और यातायात को ध्यान में रखे, बल्कि हर स्टेशन के स्थानीय परिप्रेक्ष्य, संस्कृति और शहर के विकास की जरूरतों को भी समाहित करे। यह योजना प्रत्येक स्टेशन के लिए अनुकूल और जरूरी सुधारों की दिशा में अग्रसर है, ताकि यात्रियों को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक अनुभव मिल सके। इसमें छोटे बदलावों से कहीं ज्यादा, रेलवे स्टेशनों को एक जीवंत सार्वजनिक स्थल में बदलने की प्रक्रिया है, जो परिवहन, खरीदारी, पर्यटन और सामाजिक मिलन केंद्र के रूप में कार्य करता है। अब इन स्टेशनों का डिजाइन ऐसी योजनाओं पर आधारित है, जो यात्रियों के आराम और उनकी सभी आवश्यकताओं का ख्याल रखे। स्टेशनों के डिजाइन में पारंपरिक तत्वों के साथ-साथ आधुनिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण को भी शामिल किया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि रेलवे स्टेशन न केवल अपनी सौंदर्यता से बल्कि अपनी उपयोगिता से भी लोगों के जीवन में योगदान करें। इसके अलावा, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और डिजाइन में सुधार, यात्रियों को बेहतर अनुभव देने के लिए बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए दिव्यांगजनों और वृद्धों के लिए लिफ्ट, एस्केलेटर और विशेष रास्ते बनाए जा रहे हैं। स्टेशन अब केवल आवागमन का स्थान नहीं रहेंगे, बल्कि वे सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र भी बनेंगे, जहाँ लोग सिर्फ यात्रा करने के लिए नहीं, बल्कि आनंद और विश्राम के लिए भी आएंगे। अमृत भारत स्टेशन परियोजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक, खुला और सभी के लिए सुलभ स्थान बनाना है, जहां हर व्यक्ति अपनी जरूरतों और अनुभवों के अनुसार सुविधाओं का लाभ उठा सके। इस परियोजना के माध्यम से भारतीय रेलवे की सोच में महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है, जहां यात्रा के स्थान को एक नए और समग्र दृष्टिकोण से देखा जा रहा है।

लेखिका
जय वर्मा सिन्हा
भारतीय रेल की पूर्व अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

भारतीय रेल प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक सम्मेलन का आयोजन

सूत्र-रे.स.ब्यू-रेलवे बोर्ड के सदस्य (ऑपरेशन एंड बिजनेस डेवलपमेंट) श्री हितेंद्र मल्होत्रा एवं उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री अशोक कुमार वर्मा की उपस्थिति में उत्तर रेलवे के प्रधान कार्यालय, बड़ौदा हाउस में ''भारतीय रेल प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक सम्मेलन'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय रेल के विभिन्न जोनों से आए प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधकों की उपस्थिति भी रही। सम्मेलन में रेलवे के परिचालन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। यह बैठक भारतीय रेल की परिचालन रणनीतियों के समन्वय एवं विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण रही। सम्मेलन का उद्देश्य संचालन से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर विचार-विमर्श करना तथा विभिन्न जोन के अनुभवों और सुझावों के माध्यम से समग्र सुधार की दिशा में कदम बढ़ाना था।

संपादकीय

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष – ''रेल यात्री भी बन सकते हैं पर्यावरण के सच्चे संरक्षक''

हर वर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम अपने जीवन के हर क्षेत्र में प्रकृति के संरक्षण के लिए क्या कर सकते हैं। जब बात रेल यात्रा की हो, तो करोड़ों यात्री प्रतिदिन ट्रेनों से सफर करते हैं अगर ये सभी यात्री पर्यावरण के प्रति थोड़ी-सी जागरूकता दिखाएं, तो एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। रेल यात्रियों की आदतें न केवल ट्रेनों और स्टेशनों की स्वच्छता को प्रभावित करती हैं, बल्कि व्यापक स्तर पर पर्यावरण पर भी असर डालती हैं। एक जिम्मेदार यात्री बनकर हम पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बहुत योगदान दे सकते हैं।

यात्री कैसे बचा सकते हैं पर्यावरण?

प्लास्टिक मुक्त यात्रा करें

स्टेशन और ट्रेनों में प्लास्टिक की बोतलों, प्लेटों, कपों और पैकिंग सामग्री का अत्यधिक प्रयोग होता है। यात्री यदि अपनी बोतल और टिफिन लेकर चलें और सिंगल यूज प्लास्टिक से परहेज करें, तो यह बड़ी राहत होगी।

कूड़ा कूड़ेदान में डालें

खाना खाने के बाद खाली रैपर या बचा हुआ कचरा सीट के नीचे या खिड़की से बाहर फेंकना एक आम दृश्य है, लेकिन यह आदत पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक है। यात्रियों को ट्रेन और प्लेटफॉर्म पर मौजूद डस्टबिन का उपयोग जरूर करना चाहिए।

स्वच्छता बनाए रखें

स्वच्छता सिर्फ सफाईकर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, हम सभी की है। ट्रेन के भीतर व आसपास साफ-सफाई बनाए रखना, टॉयलेट का सही इस्तेमाल करना और स्टेशन परिसर को गंदा न करना हमारी साझा जिम्मेदारी होनी चाहिए।

पानी और बिजली की बचत

स्टेशनों पर लगे नलों से बहता पानी, ट्रेन में बिना जरूरत के जलते बल्ब और पंखें इन सभी का जिम्मेदार इस्तेमाल करने की आदत डालें। यात्री अगर पानी और बिजली की बर्बादी रोकें, तो संसाधनों की बचत होगी।

पुनर्चक्रण (Recycle) को बढ़ावा दें

यात्रा के दौरान उपयोग किए गए कागज, बोतलें और अन्य सामग्री को इधर-उधर फेंकने के बजाय डस्टबिन में डालें, जिससे उनका सही निपटान और पुनर्चक्रण संभव हो सके।

रेलवे की पहल,यात्रियों का साथ जरूरी- भारतीय रेलवे पर्यावरण संरक्षण को लेकर पहले ही कई कदम उठा चुका हैंसौर ऊर्जा का उपयोग, इलेक्ट्रिक इंजन का विस्तार, प्लास्टिक मुक्त स्टेशन, स्वच्छ भारत मिशन के तहत अभियान, और बायो-टॉयलेट्स की स्थापना। लेकिन जब तक यात्री खुद आगे नहीं आएंगे, ये प्रयास अधूरे रहेंगे।

हर यात्री बने 'हरित दूत' – इस विश्व पर्यावरण दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल यात्री नहीं, बल्कि 'ग्रीन ट्रैवलर' बनें। हमारी एक-एक आदतें जैसे प्लास्टिक का त्याग, कूड़ेदान का प्रयोग, जल और बिजली की बचतें धरती को बचाने की दिशा में बड़ा योगदान बन सकती है।

''अगर हर रेल यात्री पर्यावरण के लिए सजग हो जाए, तो रेल यात्रा ही नहीं, पूरा राष्ट्र हरित और स्वच्छ हो सकता है।''

भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में हुई है उल्लेखनीय प्रगतिः अश्विनी वैष्णव

सूत्र-रे.स.ब्यू- नई दिल्ली में मेक एआई इन इंडिया - मेक एआई फॉर इंडिया कार्यक्रम में श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चाहते है कि प्रौद्योगिकी कुछ लोगों तक सीमित न होकर हर व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इसके लिए कंप्यूटर के जरिए सूचना प्रबंधन सेवाएं सब तक पहुंचाना जरूरी है। श्री वैष्णव ने एआई कंप्यूट सेवाओं के दूसरे चरण की भी घोषणा की, जिसके माध्यम से स्टार्टअप, शोधकर्ताओं और छात्रों के लिए 16 हजार ग्राफिक प्रोसेसिंग यूनिट-जीपीयू सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर श्री वैष्णव ने 14-सी हैकेथॉन विजेताओं को पुरस्कृत किया और आधारभूत एआई मॉडल बनाने वाले स्टार्टअप्स के नामों की भी घोषणा की। कार्यक्रम में सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय सूद ने कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- एआई के क्षेत्र में अपने भविष्य को आकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

युवा पीढ़ी एवं छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं अपनी जड़ो से जोड़ने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशालाओं का आयोजन

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय सभ्यता और संस्कृति, मान्यताओं एवं गौरवशाली इतिहास एवं विरासत से युवा पीढ़ी को खासतौर से बच्चों को जोड़ने के लिए संस्कृति विभाग उ०प्र० द्वारा ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को लोकनृत्य, लोकसंगीत, चित्रकला, कठपुतली, नाटक, पारम्परिक हस्तशिल्प तथा लोक कथाओं जैसे विविध विधाओं के माध्यम से प्रशिक्षण देना है। यह प्रशिक्षण स्थानीय कलाकारों, गुरूजनों और विशेषज्ञों द्वारा दिया जायेगा। जिससे प्रतिभागियों को तथ्यपरक और व्यवहारिक ज्ञान मिल सके और अपनी जड़ों से जुड़ सके। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने यहां दी। उन्होंने बताया कि हमारे पूर्वजों ने कहा था कि संस्कृति केवल स्मृति नहीं, वह सृजन का स्त्रोत है। उसी भावना से प्रेरित होकर प्रदेश के कोने-कोने में भारतेंदु नाट्य अकादमी, संगीत नाटक अकादमी, लोक एवं जनजातीय कला संस्थान, भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय,बिरजू महाराज कथक संस्थान, और अंतरराष्ट्रीय रामायण एवं वैदिक शोध संस्थान जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं के माध्यम से विशेष कार्यशालाएँ संचालित की जा रही हैं। श्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन कार्यशालाओं का उद्देश्य मात्र प्रशिक्षण नहीं है, बल्कि वह भावी पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक सकारात्मक प्रयास है। आज जब वैश्वीकरण की लहर में हमारी लोकपरंपराएं और मूल्यों पर संकट है, तब ऐसे प्रयास नयी पीढ़ी को उसकी जड़ों से जोड़ने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। गाँवों से लेकर नगरों तक, हर वर्ग, हर क्षेत्र के बच्चों को मंच मिला है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस वर्ष की कार्यशालाओं की एक विशेषता यह है कि इनमें भारत की प्राचीन और बौद्धिक परंपराओं को भी स्थान दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान द्वारा लखनऊ में आयोजित "बुद्ध पथ प्रदीप कार्यशाला"में बच्चों को भगवान बुद्ध के जीवन, धम्म और करुणा आधारित मूल्य शिक्षा दी जा रही है। ध्यान, सह-अस्तित्व और नैतिकता जैसे विषयों पर संवाद और अभिनय के माध्यम से बच्चों में बौद्ध दर्शन की मूल आत्मा का प्रसार किया जा रहा है। इसी क्रम में जैन विद्या शोध संस्थान द्वारा जैन दर्शन पर कार्यशालाओं का आयोजन हो रहा है, जिसमें अहिंसा, अपरिग्रह, सत्य जैसे सिद्धांतों को व्यवहारिक रूप में समझाया जा रहा है। श्री जयवीर सिंह ने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश) द्वारा 'सृजन' ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं के अंतर्गत अब तक प्रदेश के 55 जिलों में कुल 59 कार्यशालाएं संपन्न कराई जा चुकी हैं। ये कार्यशालाएं प्राथमिक विद्यालय, सरकारी विद्यालय, महाविद्यालय एवं गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से आयोजित की गई। अधिकांश कार्यशालाएं सात एवं दस दिवसीय रही हैं। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य विलुप्त हो रही लोककलाओं को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुँचाना रहा है। कार्यशालाओं की विषयवस्तु में उत्तर प्रदेश की समृद्ध लोक परंपराओं को शामिल किया गया, जिनमें प्रमुख हैं- भगत, ढोला-मारु, नौटंकी, आल्हा, सोहर, बुंदेली गायन, चंदौल नृत्य, मयूर एवं होली नृत्य, संस्कार गीत, कठपुतली कला, जनजातीय नृत्य एवं गायन, राई नृत्य, रसिया ब्रजलोक गायन, तथा लोकगीतों में श्रीराम-केवट संवाद एवं शबरी प्रसंग आदि शामिल हैं। पर्यटन मंत्री ने बताया कि हस्तशिल्प की श्रेणी में थारू जनजाति की मूंज शिल्प कला, रंगोली, बुंदेली चितेरी कला के अंतर्गत मुखौटा निर्माण एवं पारंपरिक चौक पूरण चित्रकला की कार्यशालाएं आयोजित की गई। वहीं वादन की श्रेणी में ढोलक वादन की कार्यशाला ने प्रतिभागियों को लोकवाद्य की लय और ताल से परिचित कराया। इन कार्यशालाओं के माध्यम से पारंपरिक कलाओं को पुनर्जीवित करने एवं स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया गया है। श्री जयवीर सिंह ने बताया कि संस्कृति विभाग द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश में सांस्कृतिक चेतना का एक नया युग प्रारंभ हुआ है एवं सांस्कृतिक आयोजनों की संख्या लगभग तीन गुनाबढ़ी है। ग्राम्य और शहरी क्षेत्रों के नवोदित कलाकारों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लोक कलाओं को संरक्षितकर पुनर्जीवित किया गया है। इस समग्र प्रयास का उद्देश्य स्पष्ट है, उत्तर प्रदेश को भारत की सांस्कृतिक राजधानीके रूप में स्थापित करना।

पेरिस में प्रतिष्ठित एआई एक्सेलेरेटर कार्यक्रम के लिए 10 अत्याधुनिक भारतीय स्टार्टअप चुने गए

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारत की एआई क्षमताओं को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के अंतर्गत इंडियाएआई मिशन ने इंडिया एआई स्टार्टअप्स ग्लोबल इनिशिएटिव के लिए 10 अत्याधुनिक भारतीय एआई स्टार्टअप के चयन की घोषणा की। यह स्टेशन एफ, पेरिस और एचईसी पेरिस के साथ साझेदारी में एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा की ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी 2024 में एआई एक्शन समिट की यात्रा ने न केवल उच्च-स्तरीय राजनीतिक प्रतिबद्धता का संकेत दिया, बल्कि वैश्विक एआई मानदंडों और नवाचार कूटनीति को आकार देने के लिए भारत की मंशा को भी प्रदर्शित किया। भारत का एआई इकोसिस्टम अब वैश्विक सफलता के शिखर पर है। इस तरह की पहलों के माध्यम से, हम अपने सबसे होनहार स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रवेश करने, वैश्विक गठबंधन बनाने और स्केलेबल, प्रभावशाली समाधान बनाने में सक्षम बना रहे हैं। स्टेशन एफ और एचईसी पेरिस के साथ इंडिया एआई मिशन की यह साझेदारी भारत की नवाचार कूटनीति में एक नया अध्याय प्रस्तुत करती है।'' MeitY के अतिरिक्त सचिव और सीईओ इंडिया एआई मिशन श्री अभिषेक सिंह ने कहा कि इंडिया एआई स्टार्टअप ग्लोबल इनिशिएटिव एक कार्यक्रम से कहीं अधिक है, यह भारत की प्रतिभा और दुनिया के नवाचार केंद्रों के बीच एक सेतु है। ये 10 स्टार्टअप भारतीय एआई की ताकत, विविधता और वैश्विक क्षमता का उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि हमें वैश्विक एआई नेताओं के रूप में उनकी अगली छलांग का समर्थन करने पर गर्व है। इन 10 स्टार्टअप को एक कठिन बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया है और वे दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप कैंपस स्टेशन एफ में भारत के गतिशील एआई इनोवेशन इकोसिस्टम का प्रतिनिधित्व करेंगे। जो उनके वैश्विक विस्तार, बाजार पहुंच और सीमा पार सहयोग का समर्थन करने के लिए डिजाइन किए गए चार महीने के कार्यक्रम के लिए है। कार्यक्रम में एक महीने का ऑनलाइन तैयारी मॉड्यूल शामिल है। इसके बाद पेरिस, फ्रांस में तीन महीने का इमर्सिव रेजीडेंसी शामिल है। यह पहल भारत के जिम्मेदार, स्केलेबल और समावेशी एआई में नेतृत्व को उत्प्रेरित करने के लिए इंडिया एआई मिशन के व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। यूरोप के प्रमुख बिजनेस स्कूल एचईसी पेरिस द्वारा डिजाइन किया गया यह कार्यक्रम स्टार्टअप को उनके निवास के दौरान अग्रणी फ्रांसीसी और यूरोपीय इकोसिस्टम प्रमुखों के साथ संसाधनों, सलाह और नेटवर्किंग के अवसरों तक बेजोड़ पहुँच प्रदान करेगा।

नई दिल्ली–ऐशबाग–नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचालन

सूत्र-रे.स.ब्यू- रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु 04050/04049 नई दिल्ली-ऐशबाग-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचालन नई दिल्ली से 25 मई से 13 जुलाई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार व रविवार को तथा ऐशबाग से 26 मई से 14 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार व सोमवार को 15 फेरों के लिए किया जायेगा। 04050 नई दिल्ली-ऐशबाग ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 25 मई से 13 जुलाई 2025 तक प्रत्येक शुक्रवार व रविवार को नई दिल्ली से 21.35 बजे प्रस्थान कर, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.50 बजे, चंदौसी जं० से 02.15 बजे, बरेली से 03.43 बजे, बरेली सिटी से 04.05 बजे, भोजीपुरा से 04.47 बजे, पीलीभीत से 05.40 बजे, मैलानी से 08.10 बजे, गोला गोकरननाथ से 08.34 बजे, लखीमपुर से 09.05 बजे, सीतापुर से 10.20 बजे, सिधौली से 11.00 बजे तथा मोहिबुल्लापुर से 11.54 बजे छूटकर ऐशबाग 12.35 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 04049 ऐशबाग-नई दिल्ली ग्रीष्मकालीन द्विसाप्ताहिक विशेष गाड़ी 26 मई से 14 जुलाई, 2025 तक प्रत्येक शनिवार व सोमवार को ऐशबाग से 18.45 बजे प्रस्थान कर मोहिबुल्लापुर से 19.17 बजे, सिधौली से 19.52 बजे, सीतापुर से 20.25 बजे, लखीमपुर से 21.27 बजे, गोला गोकरननाथ से 22.07 बजे, मैलानी से 23.30 बजे दूसरे दिन पीलीभीत से 01.27 बजे, भोजीपुरा जं० से 02.15 बजे, बरेली सिटी से 03.20 बजे, बरेली से 04.05 बजे, चंदौसी जं० से 06.35 बजे तथा मुरादाबाद से 07.43 बजे छूटकर नई दिल्ली 11.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी के 10, शयनयान श्रेणी के 07 तथा एस०एल०आर० के 02 कोचों सहित कुल 19 कोच लगाये जायेंगे। यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें।

आइए हम सब मिलकर आयुष आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा में भारत के नेतृत्व को मजबूत करें और वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक विकास में योगदान दें: केंद्रीय मंत्री श्री प्रतापराव जाधव

75 से अधिक देशों के नागरिकों को 1,600 से अधिक आयुष वीजा जारी किए गए, भारत समग्र, साक्ष्य-आधारित कल्याण के लिए एक विश्वसनीय गंतव्य के रूप में उभर रहा है

सूत्र-रे.स.ब्यू- चेन्नई में आयोजित आयुष चिकित्सा मूल्य यात्रा पर दक्षिण क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन, देश को समग्र और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 'आयुष चिकित्सा मूल्य यात्रा - स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, वैश्विक संबंधों को मजबूत करना' विषय के अंतर्गत, शिखर सम्मेलन प्राकृतिक, निवारक और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य समाधानों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने में भारत की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालता है। केरल में पंचकर्म केंद्रों, तमिलनाडु और कर्नाटक में सिद्ध और प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों की समृद्ध विरासत के साथ-साथ आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और पुडुचेरी में बढ़ते अनुसंधान और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के साथ दक्षिण भारत पूरे देश में समग्र देखभाल के लिए एक मॉडल के रूप में खड़ा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने महामारी के बाद की दुनिया में भारत की पारंपरिक प्रणालियों- आयुर्वेद, सिद्ध, योग और प्रोंतिक चिकित्सा, यूनानी, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी के महत्व पर जोर दिया, जो सुरक्षित, वैज्ञानिक रूप से समर्थित और टिकाऊ स्वास्थ्य दृष्टिकोणों को महत्व देती है। उन्होंने सभी राज्यों से ऐसे कल्याण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया जो सांस्कृतिक रूप से निहित और वैश्विक रूप से प्रासंगिक हों, आयुष-आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा में भारत के नेतृत्व को मजबूत करें और वैश्विक स्वास्थ्य और आर्थिक विकास में योगदान दें। मुख्य भाषण देते हुए, श्री सत्य कुमार यादव, माननीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा मंत्री, आंध्र प्रदेश सरकार ने वैश्विक कल्याण केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने में इन पहलों की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में बोलते हुए आयुष मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दाश ने कहा: ''आयुष आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा वैश्विक स्तर पर एकीकृत, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देने की भारत की रणनीति का एक प्रमुख स्तंभ है। हम पारंपरिक उपचार चाहने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए आसान पहुँच को सक्षम कर रहे हैं। गुणवत्ता आश्वासन, नैदानिक मानकीकरण और डिजिटल एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए, दक्षिणी राज्य अपनी समृद्ध आयुष विरासत के साथ एक मजबूत आधार प्रदान करते हैं। यह शिखर सम्मेलन आयुष आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा का विस्तार करने के लिए राज्य सरकारों, उद्योग जगत के नेताओं और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देता है। इस पहल का उद्देश्य न केवल अंतरराष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित करना है, बल्कि एक स्थायी और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र बनाना भी है जो भारत के पारंपरिक उपचार ज्ञान को आधुनिक वितरण प्रणालियों के साथ जोड़ता है। दक्षिण क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन में 325 प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें आयुष स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों, आयुष कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों, स्वास्थ्य तकनीक स्टार्टअप्स, चिकित्सा पर्यटन पेशेवरों, कल्याण यात्रा सुविधा प्रदाताओं, मीडिया और कल्याण प्रभावितों के साथ-साथ रिट्रीट, स्पा, कल्याण रिसॉर्ट्स और अन्य संबंधित क्षेत्रों के प्रतिनिधि शामिल थे। उद्घाटन सत्र में आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव, संयुक्त सचिव सुश्री मोनालिसा दाश और फिक्की आयुष समिति के सह-अध्यक्ष श्री अरविंद वर्चस्वी ने प्रमुख भाषण दिए। शिखर सम्मेलन के सत्रों में ''आयुष और कल्याण यात्रा को सशक्त बनाना: आयुष-आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य सरकार की रणनीतियां'' पर चर्चा की गई, जिसमें भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक स्तर पर बढ़ाने में सरकारी नेतृत्व की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस सत्र में केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी सरकारों के माध्यम से राज्य सरकार की गतिविधियों को शामिल किया गया, जिसमें आयुष आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा को बढ़ावा देने, कल्याण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और समग्र स्वास्थ्य गंतव्य के रूप में भारत की अपील को बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला गया। उद्योग के दृष्टिकोण पर आधारित दूसरे सत्र में कैराली आयुर्वेदिक समूह, डॉ. जेआरके फार्मास्यूटिकल्स, अपोलो आयुर्वेद हॉस्पिटल्स, आर्य वैद्य फार्मेसी, एसकेएम सिद्ध एवं आयुर्वेद, निरामया रिट्रीट्स तथा मेत्रा एवं वीया सहित प्रतिष्ठित संगठनों के प्रमुखों ने भाग लिया। इन चर्चाओं में भारत को पारंपरिक उपचार और समग्र स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक सहयोगात्मक गति को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का समापन गुणवत्ता, सुरक्षा और रोगी संतुष्टि पर और अधिक ध्यान केन्द्रित करने के आह्वान के साथ हुआ, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में आयुष क्षेत्र की क्षमता का दोहन करके आयुष का उपचारात्मक स्पर्श वैश्विक समुदाय तक पहुंचे।

वट अमावस्या पर हरित योग का मिलनः परंपरा और प्रकृति का उत्सव

सूत्र-रे.स.ब्यू- 26 मई 2025 को पुणे के राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन) द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में आयुष मंत्रालय की हरित योग पहल के साथ पारंपरिक वट अमावस्या उत्सव को शामिल किया गया, जिसने योग के प्रति उत्साही और प्रकृति प्रेमियों दोनों का ध्यान आकर्षित किया है। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2025 का हिस्सा यह कार्यक्रम बरगद के पेड़ या वट वृक्ष (फिकस बेंघालेंसिस) के गहरे सांस्कृतिक और पारिस्थितिक महत्व पर जोर देता है।

वटवृक्ष का उत्सव मनाना

बरगद का पेड़ भारतीय संस्कृति में एक पूजनीय स्थान रखता है, यह लंबी आयु, ज्ञान और आध्यात्मिक विकास का प्रतीक है। इसके पारिस्थितिक लाभ बहुत गहरे हैं, ये छाया प्रदान करते हैं, वन्य जीवों के लिए आवास प्रदान करते हैं, और वायु शोधन में योगदान देते हैं। फिर भी, इसकी भूमिका पर्यावरण से आगे भारतीय जन जीवन में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं को छूने तक फैली हुई है।

समारोह

26 मई को पुणे में दक्षिण-पश्चिम मानसून के समय से पहले आगमन से सुखद आश्चर्य हुआ और लगातार बारिश ने पुणे के निसर्ग ग्राम में एनआईएन परिसर में किसी भी तरह से उत्साह को कम नहीं किया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों और विभिन्न आमंत्रित हितधारकों की भागीदारी देखी गई। एनआईएन की निदेशक डॉ. सत्यलक्ष्मी ने स्वागत भाषण में वृक्षों के सम्मान की परंपरा को जारी रखने के महत्व को रेखांकित किया, इसे हरित योग और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के व्यापक संदर्भ से जोड़ा। इस पहल का उद्देश्य योग प्रथाओं को पर्यावरण चेतना के साथ जोड़ना है, जिससे आरोग्य के एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है। आईडीवाई-2025 की थीम ''एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग'' पर बात करते हुए, उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम थीम का व्यावहारिक प्रदर्शन देने का एक प्रयास है। प्रतिभागियों ने एक प्रतीकात्मक समारोह में भाग लिया, जिसमें उन्होंने हाथ से बुने हुए धागों से बरगद के पेड़ को घेरा तथा उसकी रक्षा और पोषण का संकल्प लिया। अंतर्राष्ट्रीय प्रोंतिक चिकित्सा संगठन के अध्यक्ष और कार्यक्रम में अतिथि श्री अनंत बिरादर ने सभा को संबोधित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2025 के संदेश को फैलाने के लिए आयुष मंत्रालय के अभिनव कार्यक्रमों की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे ऐसे आयोजन लोगों को योग को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं, जिससे व्यक्तिगत कल्याण और पारिस्थिति की संरक्षण के बीच तालमेल बनता है।

एक विचारोत्तेजक चिंतन

हरित योग पहल से समृद्ध वट अमावस्या का उत्सव प्रकृति-संरक्षण और योग के बीच गहरे संबंध की याद दिलाता है। यह हमें इस बात पर विचार करने के लिए आमंत्रित करता है कि प्राचीन परंपराएँ आधुनिक पारिस्थितिक प्रथाओं को कैसे प्रेरित कर सकती हैं। जब प्रतिभागियों ने बरगद की विशाल छत्रछाया में आम के रस का आनंद लिया, तो कार्यक्रम का समापन स्वयं के और पर्यावरण दोनों के पोषण के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ। ऐसे एकीकृत समारोहों को अपनाकर आयुष मंत्रालय भारत की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करता है, साथ ही पारिस्थितिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देता है, तथा सभी को एक स्थायी भविष्य के लिए योग और पर्यावरणीय चेतना के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए प्रेरित करता है।

प्रधानमंत्री के आह्वान पर भारत आरोग्य हेतु एकजुटः 10,000 से अधिक संगठनों का 'योग संगम' के लिए पंजीकरण

सूत्र-रे.स.ब्यू- मन की बात के 122वें एपिसोड के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की कॉर्पोरेट संस्कृति में योग के बढ़ते जुड़ाव की सराहना की और इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य के प्रति निजी क्षेत्र की प्रतिबद्धता का एक शक्तिशाली संकेतक बताया। इस आह्वान से प्रेरित होकर 10,000 से अधिक संगठनों ने योग संगम के लिए पंजीकरण कराया है, जो एक राष्ट्रव्यापी पहल है और देश के इतिहास में समुदाय के नेतृत्तव वाला सबसे बड़ा स्वास्थ्य कार्यक्रम बनने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने अपने 'मन की बात' संबोधन में कहा, ''हमारे कॉर्पोरेट भी इसमें पीछे नहीं हैं। कुछ संस्थानों ने अपने कार्यालयों में योगाभ्यास के लिए अलग से जगह तय की है। कुछ स्टार्ट-अप ने 'ऑफिस योगा आवर' तय किए हैं। यह इस बात का सकारात्मक संकेत है कि निजी क्षेत्र किस तरह देश के स्वास्थ्य आंदोलन में योगदान दे रहा है।'' योग संगम का समापन 21 जून, 2025 को होगा, क्योंकि भारत भर में बर्फ से ढके हिमालय के शिखरों से लेकर सूरज की रोशनी से जगमगाते तटीय मंदिरों तक एक लाख से अधिक स्थान योग अभ्यास के जीवंत केंद्रों में तब्दील होने की तैयारी कर रहे हैं। प्रतिभागी दुनिया को भारत के कालातीत उपहार: योग को एकता, स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए एक शक्ति के रूप में मूर्त रूप देते हुए, उनके साथ भाईचारा पूर्वक स्ट्रेच, ब्रीथ और मूव करेंगे।

योग संगम में कैसे भाग लें:

- विजिट करें: yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam
- अपने समूह या संगठन को पंजीकृत करें,
- 21 जून, 2025 को अपना योग सत्र आयोजित करें,
- आधिकारिक प्रशंसा प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के बाद भागीदारी संबंधी विवरण अपलोड करें।

यह उत्सव किसी योग सत्र से कहीं अधिक है। यह समुदायों, कार्यस्थलों, स्कूलों और व्यक्तियों द्वारा संचालित एक राष्ट्रीय आंदोलन है। यह स्वास्थ्य की एक समन्वित लहर है, जो प्रत्येक नागरिक को एक साथ सांस लेने और एक स्वस्थ, अधिक सामंजस्यपूर्ण भारत में योगदान करने के लिए आमंत्रित करती है।

आंदोलन में शामिल हों

चाहे आप कॉर्पोरेट लीडर हों, शिक्षक हों, छात्र हों, गृहिणी हों या स्वास्थ्य के प्रति उत्साही हों – योग संगम आपको एक ऐतिहासिक आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित करता है।

सीमाओं के पार विस्तारः आयुष ने ओसाका एक्सपो में भारत की समग्र स्वास्थ्य शक्ति प्रदर्शित की

सूत्र-रे.स.ब्यू- जापान के ओसाका में चल रहे विश्व एक्सपो 2025 में आयुष मंत्रालय की जीवंत और प्रभावशाली भागीदारी को स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति भारत के समग्र विजन को प्रदर्शित करने के लिए व्यापक सराहना मिल रही है। विभिन्न विषयगत प्रस्तुतियों के बीच, योग एक प्रमुख वैश्विक आकर्षण के रूप में उभरा है, जो प्रतिष्ठित इंडिया पैवेलियन- भारत में आयोजित दैनिक सत्रों में प्रतिभागियों को आकर्षित कर रहा है। आयुष मंत्रालय के तत्वावधान में, भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ), टोक्यो में भारतीय दूतावास, ओसाका-कोबे में भारत के महावाणिज्य दूतावास और हार्टफुलनेस संस्थान के सहयोग से, 2 मई से 13 अक्टूबर 2025 तक दैनिक योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जो भारत की एकीकृत स्वास्थ्य परंपराओं को बढ़ावा देने वाली एक अनूठी छह महीने लंबी पहल है। अब तक 55 सत्र आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें जापानी नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों सहित 2,100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं। 2 मई 2025 को योग के उद्घाटन सत्र में जापान में भारत के राजदूत महामहिम श्री सिबी जॉर्ज और ओसाका-कोबे में भारत के महावाणिज्यदूत श्री चंद्रू अप्पार ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन भी जापान के गोल्डन वीक के साथ ही हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और आने वाले महीनों के लिए एक उच्च उपस्थिति वाला वातावरण तैयार हुआ। आगामी योग सप्ताह (15-21 जून 2025), जिसका समापन 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के एक बड़े समारोह के साथ होगा, से भारत की वैश्विक पहुंच के और सुदृढ़ बनने की उम्मीद है। विविध दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सुबह, शाम और वाई-ब्रेक प्रारूपों सहित कई दैनिक सत्रों की योजना बनाई गई है। इसके अतिरिक्त, 29 जून से 5 जुलाई तक चलने वाले इंडिया पैवेलियन-भारत में पारंपरिक औषधीय पौधों, जड़ी-बूटियों और आयुष आधारित स्वास्थ्य उत्पादों को रेखांकित किया जाएगा। 30 जून को आयोजित एक बी2बी बैठक और रोड शो आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवा में वैश्विक सहयोग और निवेश के अवसरों को बढ़ावा देगा। विश्व एक्सपो 2025 में भारत की भागीदारी वसुधैव कुटुम्बकम यानि पूरा विश्व एक परिवार है - के उसके विजन का प्रतीक है। योग और आयुष के माध्यम से, भारत सतत जीवन और समग्र स्वास्थ्य पर वैश्विक संवाद में सार्थक योगदान दे रहा है तथा सभी के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रहा है।

भारत ने 78वीं विश्व स्वास्थ्य सभा में विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

सूत्र-रे.स.ब्यू- जिनेवा में आयोजित 78वीं स्वास्थ्य सभा (डब्ल्यूएचए) में ''स्वास्थ्य के लिए एक विश्व'' थीम के अंतर्गत भारत ने स्वास्थ्य सेवा के लिए एकीकृत दृष्टिकोण के रूप में पारंपरिक चिकित्सा (टीएम) प्रणालियों को मजबूत करने के लिए अपनी दृढ़प्रतिबद्धता दोहराई। भारत की ओर से बोलते हुए जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के स्थायी प्रतिनिधि श्री अरिंदम बागची ने नई विश्व स्वास्थ्य संगठन वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा रणनीति वर्ष 2025-2034 को अपनाने का स्वागत किया। उन्होंने राष्ट्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य ढांचे में साक्ष्य-आधारित पारंपरिक प्रथाओं को शामिल करने के भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, आयुर्वेद, योग, यूनानी और सिद्ध जैसी वैज्ञानिक रूप से मान्य पारंपरिक प्रणालियों के साथ आधुनिक चिकित्सा को एकीकृत करने की भारत की पहल को अन्य देशों के लिए एक व्यावहारिक मॉडल के रूप में महत्व दिया गया। श्री बागची ने कहा कि भारत ने पिछली विश्व स्वास्थ्य संगठन पारंपरिक चिकित्सा रणनीति (2014-2023) को लागू करने में सक्षम नेतृत्व दिखाया है और इसके आगे कि रूपरेखा के लिए समर्थन व्यक्त किया है। वैश्विक पारंपरिक चिकित्सा इकोसिस्टम में भारत का महत्वपूर्ण योगदान गुजरात के जामनगर में विश्व स्वास्थ्य संगठन ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (जीटीएमसी) की स्थापना में परिलक्षित होता है। भारत सरकार के सहयोग से वर्ष 2022 में शुरू किया गया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस के साथ उद्घाटन किया गया, यह केंद्र अपनी तरह का पहला है और डेटा एनालिटिक्स, नीति समर्थन, मानक-निर्धारण और अनुसंधान सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस वर्ष एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच 24 मई, 2025 को एक डोनर समझौते पर हस्ताक्षर होना है, जिसके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य हस्तक्षेप वर्गीकरण (आईसीएचआई) के अंतर्गत एक समर्पित पारंपरिक चिकित्सा मॉड्यूल पर काम शुरू किया जाएगा। मन की बात संबोधन के दौरान इस उपलब्धि की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह आयुष प्रणालियों को वैज्ञानिक और मानकीकृत रूपरेखा के माध्यम से वैश्विक दर्शकों तक पहुँचने में सक्षम बनाएगा। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने कहा, ''भारत को पारंपरिक चिकित्सा के वैश्विक एकीकरण में योगदान देने पर गर्व है। आईसीएचआई मॉड्यूल वैज्ञानिक विश्वसनीयता को बढ़ाएगा और आयुष प्रणालियों की वैश्विक मान्यता को सुगम बनाएगा। हम समावेशी, सुरक्षित और साक्ष्य-आधारित पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा के विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी समाचार विज्ञप्ति के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन की नई रणनीति सदस्य देशों को विनियमन बढ़ाने, जहां उचित हो वहां पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं को एकीकृत करने और स्वदेशी ज्ञान, पर्यावरणीय स्थिरता और जैव विविधता को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है। भारत की पहल इन सिद्धांतों के साथ दृढ़ता से प्रतिध्वनित होती है, जो वैश्विक कल्याण के लिए पारंपरिक चिकित्सा को आगे बढ़ाने में एक प्रतिबद्ध भागीदार के रूप में अपनी भूमिका को रेखांकित करती है। भारत सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में पारंपरिक चिकित्सा की पूरी क्षमता का उपयोग करने में विश्व स्वास्थ्य संगठन और सदस्य देशों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

Electric Loco Shed Bhusawal Shines with National Recognition

Source/RSB- In a proud achievement for Indian Railways, the Electric Loco Shed (ELS), Bhusawal has significantly improved its performance metrics for the financial year 2024–25 by reducing the Failure Rate Per 100 Conventional Locos Per Month (FRPCPM) from 6.8 to 5.0. This notable progress underscores the shed's unwavering commitment to operational excellence, efficient maintenance, and enhanced reliability. As a result of this outstanding performance, ELS/Bhusawal secured the 3rd rank across India among 39 loco sheds maintaining conventional electric locomotives. This prestigious recognition was conferred by the Railway Board, highlighting the shed's dedication to high-quality standards in loco maintenance.

DFCCIL Launches Modern Crèche 'Chahak' to Support Working Parents

Source/RSB- Shri Praveen Kumar, Managing Director of Dedicated Freight Corridor Corporation of India Limited (DFCCIL), inaugurated the modern crèche facility "Chahak" at DFCCIL's new Corporate Office located in Sector 145, Noida. The inauguration ceremony was graced by the presence of Shri Pankaj Saxena, Director (Project Planning), Shri Anurag Sharma, Director (Infrastructure), and Shri Parmod Kumar, Chief Vigilance Officer (CVO). The "Chahak" crèche facility has been established to provide a safe, well-equipped, and nurturing environment for the children of DFCCIL employees. This initiative marks a significant step towards employee welfare and reinforces the organization's commitment to supporting a work-life balance.

IRFC Supports Bihar's Pink Toilets Initiative to Boost Women's Safety and Sanitation

Source/RSB-In a significant step towards empowering women and promoting hygiene, Indian Railway Finance Corporation (IRFC) has extended its support to the Bihar Government's Pink Toilets initiative through its Corporate Social Responsibility (CSR) program. Under the visionary leadership of CMD Shri Manoj Dubey, IRFC is committed to building safe and clean sanitation facilities exclusively for women across four smart cities in Bihar. These "Pink Toilets" are designed to provide privacy, cleanliness, and a sense of security—key elements in ensuring dignity for women in public spaces. This initiative marks a vital collaboration between the public sector and state government to address gender-sensitive urban infrastructure. By supporting the Pink Toilets project, IRFC reiterates its commitment to social responsibility and inclusive development.

Over 200 Railway staff honoured in Jammu for exceptional service during Operation Sindoor

Source/RSB-In Jammu and Kashmir, in a gesture of appreciation for their unwavering commitment, over 200 employees of the Operating and Commercial Department of Northern Railway's Jammu Division were honoured for their exceptional service during Operation Sindoor. The felicitation ceremony recognised around 200 staff members who ensured seamless train operations and passenger safety. Their dedication during a critical time stood as a testament to their professionalism and vital role in maintaining calm and continuity in rail services. Senior Divisional Commercial Manager, Jammu Division, Uchit Singhal, handed over certificates to 209 employees at a special programme organised by the railways in their honour for their duties with dedication. The objective of the programme was to honour the employees of the Operating and Commercial Departments of the Jammu division who provided excellent service during the Operation Sindoor. All the trains were operated by the Operating Department as per their scheduled time. The Commercial Department helped the passengers to reach their destinations safely during the tense situation. The employees of both departments took special care of the safety and facilities of the passengers and helped them coming from outside to reach their destination station conveniently.

NEW PASSENGER AMENITY ADDED AT DAKSHINESWAR STATION

Source/RSB- In another unique initiative, Relaxation Chair service, AI-enabled deep tissue massage premium service, has been extended at Dakshineswar Metro station of Blue Line. It is to be noted that this service was first inaugurated by Shri P. Uday Kumar Reddy, General Manager, Metro Railway, on 23.05.2025 at Esplanade station and he announced that same facility would be provided at Dakshineswar as well as other busy Metro stations soon for the benefit of the commuters. This value added service would help commuters to get rid of fatigue and soothe their strained nerves at an affordable cost and improve their experience of commuting in Metro Railway.

Sri Arun Kumar Jain, GM, SCR Reviews Monsoon Preparedness over SCR

Source/RSB-Shri Arun Kumar Jain, General Manager, South Central Railway has conducted a detailed review meeting on safety and monsoon preparedness forecasting rains across the zone on 26th May, 2025 at Rail Nilayam, Secunderabad. Shri Neeraj Agrawal, Additional General Manager, SCR participated in the meeting along with all the Principal Heads of Departments. Divisional Railway Manager's (DRMs) of all six Divisions i.e. Secunderabad, Hyderabad, Vijayawada, Guntakal, Guntur and Nanded joined the review meeting through video conference. The General Manager advised the officials to conduct the safety drives in view of monsoon for strict implantation of the safety procedures to ensure safety in train operations. He instructed the officials to strengthen patrolling at all identified vulnerable sections at tracks, bridges and locations with heavy rainfall to prevent unsafe conditions. He advised the Divisional Railway Managers to ensure proper working of signaling systems etc., to avoid the unexpected failures in view of the rainy season. The General Manager while emphasizing on the safety of train operations stated that, strict co-ordination to be maintained in train operations and all safety precautions to be followed while running the trains. He also instructed officials to focus on passenger's safety at all levels by inspecting assets related to safety and also instructed strengthen track patrolling by deploying additional RPF and Track patrolling staff to identify the miscreants' activities to ensure track safety and the staff/officials to strictly adhere to the standard safety protocols at level crossing gates over the zone to ensure the safety of the trains and road commuters as well. He also discussed the availability of CCTVs over the zone including private sidings to ensure security and transparency. Earlier, Shri Arun Kumar Jain launched a new version-2.0 of e-DAS (Electronic Drawing Approval System) which will be helpful to maintain a database related to engineering drawings and helpfull for approvals by the competent authority. This will promote paperless working, saves time and money.

Progress Accelerates on India's First Bullet Train Corridor

Source/RSB- On 22 May 2025 Shri Vivek Kumar Gupta, Managing Director of the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), conducted an extensive review of key sites of the Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project in Surat. The visit covered major infrastructure zones including the Casting Yard, the Tapti River Bridge site, and the Track Slab Manufacturing Facility—all crucial to the high-speed corridor's construction. The Mumbai-Ahmedabad Bullet Train, India's first venture into high-speed rail, is being executed with world-class precision and cutting-edge technology. Shri Gupta's visit was aimed at ensuring timely progress, adherence to safety standards, and top-notch quality in every phase of the work. As the bullet train project gains momentum, Surat remains a vital hub, reflecting the national vision of futuristic, fast,

and eco-friendly travel. NHSRCL continues to drive India closer to a new era in rail transportation.

General Manager inspected the Electric Loco Trip Shed

Source/RSB- On 26.05.2025, General Manager North Central Railway Shri Upendra Chandra Joshi inspected the Electric Loco Trip Shed located near Platform No. 06 of Prayagraj Junction. During this, he inspected Loco No. 32309, which stood second in the cab competition held recently at Banaras Locomotive Works. Kanpur Locoshed's Loco No. 32309/WAG-9 won the second prize in the Loco Cab Modification Competition organized by Indian Railways at Banaras Locomotive Works on 24th May 2025. There were a total of 17 entries in this competition. Electric Loco shed, Kanpur made several modifications in the driving cab of the locomotive in just 20 days. Some of the innovations made in this included motorised side windows, improvised blinders, improvised Kavach location, better quality seats(at par with vande bharat), seat for inspecting officials, automatic fire operation and detection systems.The officials from the Railway Board appreciated the innovations and enthusiastic performance of the Electric Loco Shed Kanpur. This work was done at a modest cost of about Rs 20 lakh only. During this inspection, the General Manager also inspected the WAP-7 loco. During this, he especially took stock of the HLC winding and hotel load circuit. On this occasion, in his address, the General Manager congratulated the team that made innovations in the locomotive and said that whatever changes are made should be user friendly. For this, along with the technology, changes should be made from time to time in consultation to the loco pilots who use them. He expressed hope that these innovations done by our loco shed will be approved by the Railway Board and it will prove to be convenient for the loco pilots from the point of view of safety and operation. On this occasion, the Principal Heads of various departments of North Central Railway and Divisional Railway Manager Prayagraj along with other officers and employees were present. During this, the General Manager along with the head of department also planted saplings.

IRCON Bags First Kavach Project Worth ₹253.56Cr from South Western Railway

Source/RSB-IRCON International Ltd. has secured its first order for the implementation of the Kavach Automatic Train Protection (ATP) system from South Western Railway. The `253.56 crore contract covers survey, design, supply, installation, testing, and commissioning of Kavach equipment and associated works across 778 Route Kilometers (RKM) in the Bengaluru and Mysuru Divisions. This project marks a significant step for IRCON as it enters a new project vertical focused on train safety systems. Kavach, developed by Indian Railways, is a cutting-edge ATP system designed to prevent train collisions and enhance operational safety. Under the guidance of CMD Shri Hari Mohan Gupta, IRCON is steadily expanding its capabilities and contributing to the safety-focused vision of Indian Railways.

DMRC and UITP Organize Advanced Training on Metro Operations & Maintenance

Source/RSB- The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC), in partnership with the International Association of Public Transport (UITP), successfully concluded a landmark three-day training program on "Advanced Metro Operations and Maintenance" from May 19 to 21 at the DMRC Academy, Shastri Park. This first-of-its-kind initiative brought together leading national and international experts to share advanced knowledge and global best practices in metro operations. The program focused on emerging technologies such as Artificial Intelligence, Big Data, IoT, and Machine Learning, aiming to enhance innovation, efficiency, and safety in urban rail systems. Inaugurated by Dr. Vikas Kumar, Managing Director of DMRC, along with Mr. Manuj Singhal, Director (Infrastructure), and Ms. Rupa Nandy, Head of UITP India, the event was hailed as a milestone in promoting intelligent urban mobility. “This collaboration with UITP underlines DMRC’s commitment to sustainable and cutting-edge transit solutions,” said Dr. Kumar. Key topics included predictive maintenance, digital twins, project management, green initiatives, and cyber security. Participants also gained hands-on exposure through site visits to control centers, depots, and metro facilities, bridging theory with practical insights.

CMD CONCOR Meets LPAI Chairman to Boost Integrated Logistics Synergy

Source/RSB-In a significant move to enhance cross-border logistics, Shri Sanjay Swarup, Chairman and Managing Director of CONCOR (Container Corporation of India Ltd.), met Shri Jayant Singh, Chairman of the Land Ports Authority of India (LPAI), a statutory body under the Ministry of Home Affairs. The meeting aimed to explore strategic collaboration between CONCOR and LPAI for developing efficient, integrated logistics services. Key discussions focused on streamlining cargo movement through land ports and leveraging each organisation’s infrastructure and expertise to create long-term synergy. Both leaders expressed commitment to strengthening logistics connectivity and facilitating smoother trade flows across India's borders. This partnership holds promise for boosting multimodal transport and reinforcing India’s logistics ecosystem in alignment with national trade and infrastructure goals.

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन-इन्टरलाकिंग कार्य के कारण रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन एवं आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :-

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
05305	छपरा-आनन्द विहार टर्मि.	23.06.25, 26.06.25, 30.06.25 एवं 03.07.25
05306	आनन्द विहार टर्मि.-छपरा	25.06.25, 28.06.25, 02.07.25 एवं 05.07.25

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	निर्धारित मार्ग	परिवर्तित मार्ग	स्टेशन पर ठहराव नहीं रहेगा
15110	मथुरा - छपरा	25.06.2025, 27.06.2025, 30.06.2025	बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर	बाराबंकी-अयोध्या कैंट-मनकापुर	गोंडा
15109	छपरा - मथुरा	25.06.2025, 27.06.2025, 30.06.2025	छपरा-भटनी-गोरखपुर-गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-भटनी-मऊ-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज कानपुर सेन्ट्रल	देवरिया सदर-गोरखपुर-खलीलाबाद-बस्ती-बभनान-मसकनवॉ-मनकापुर-गोंडा-बाराबंकी-बादशाह नगर-ऐशबाग
15110	मथुरा - छपरा	02.07.2025	कानपुर सेन्ट्रल-ऐशबाग-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा	कानपुर सेन्ट्रल-प्रयागराज-बनारस-वाराणसी-औड़िहार-मऊ-भटनी-छपरा	ऐशबाग-बादशाह नगर-बाराबंकी-गोंडा-मनकापुर-मसकनवॉ-बभनान-बस्ती-खलीलाबाद-गोरखपुर-देवरिया सदर
02569	दरभंगा - नई दिल्ली	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	सीवान-देवरिया सदर-गोरखपुर-बस्ती-ऐशबाग
02563	बरौनी - नई दिल्ली	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	सीवान-देवरिया सदर-गोरखपुर-बस्ती-ऐशबाग
02564	नई दिल्ली - बरौनी	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	ऐशबाग-बस्ती-गोरखपुर-देवरिया सदर-सीवान
02570	नई दिल्ली - दरभंगा	28.06.2025, 04.07.2025	छपरा-गोरखपुर गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेन्ट्रल	छपरा-औड़िहार-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज-कानपुर सेन्ट्रल	ऐशबाग-बस्ती-गोरखपुर-देवरिया सदर-सीवान
12597	गोरखपुर-छत्र.शिवाजी महाराज टर्मिनस	01.07.2025	गोरखपुर गोंडा-मल्हौर-लखनऊ-कानपुर सेन्ट्रल	गोरखपुर-भटनी मऊ-वाराणसी-बनारस-प्रयागराज कानपुर सेन्ट्रल	खलीलाबाद-बस्ती-गोंडा-लखनऊ

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि	आंशिक निरस्तीकरण/ओरिजिनेशन के स्टेशन	टिप्पणी
22199	ग्वालियर-बलरामपुर	02.07.2025	लखनऊ स्टेशन तक जायेगी (आलमनगर-लखनऊ मार्ग परिवर्तन)	लखनऊ-बलरामपुर के बीच निरस्त रहेगी
22200	बलरामपुर-ग्वालियर	03.07.2025	लखनऊ स्टेशन से चलेगी (लखनऊ-आलमनगर मार्ग परिवर्तन)	बलरामपुर-लखनऊ के बीच निरस्त रहेगी

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 941/25(AS)